



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

बासाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 389] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 10, 1990/भाद्रपद 19, 1912
No. 389] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 10, 1990/BHADRA 19, 1912

इस भाग थे भिन्न पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1990

सा. का. नि. 770(ग्र) — केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956
का 1) की धारा 620 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह
निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (3) के खण्ड (3) के

उपर्युक्त ऐसी किसी सरकारी कम्पनी को, जो उद्योगों की अभिवृद्धि और विकास में लगी हुई है, उस विस्तार तक, जहां तक वह :—

- (क) बीज उधारों या सेन्ट्रल उधारों पर ब्याज— या
- (ख) उद्यमकर्ताओं को आवंटित औद्योगिक प्लाटों या जैडों की लागत पर शोध्य किसीं की ब्याज—
- (ग) हथकरघा कपड़ों के विक्रय पर ऐसी विशेष रिक्वेट के मंबंध में जो देश के विभिन्न भागों में निर्मित हथकरघा कपड़ों के विक्रय को बढ़ावा देने के लिए निए एक विशेष उत्तराधिकार के रूप में समय-समय पर टैक्सटाइल मंत्रालय (हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय) द्वारा घोषित की जाए, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों से दावों, से हुई आय में संबंधित है, लागू नहीं होंगे।

परन्तु यह नव जबकि ऐसी प्रोद्भूत आय जिसका लेखा-बहियों में हिसाब नहीं दिया गया है, कम्पनी के वाधिक लेखाओं में टिप्पण के रूप में प्रकट की गई है।

इस अधिमूलना की प्रति प्राप्ति के रूप में संमद्द के दोनों सदनों के समक्ष रख दी गई है, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 620 की उपधारा (2) में वर्णित है।

[सं. 1/5/88-सी. एल.-5]

वेद प्रकाश गुप्त, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1990

G.S.R. 770(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 620 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby directs that the provisions of clause (b) of sub-section (3) of section 209 of the said Act shall not apply to any Government company engaged in the promotion and development of industries to the extent it relates to income from—

- (a) interest on seed money loans or bridge loans;
- (b) interest on instalments due on the cost of industrial plots or sheds allotted to entrepreneurs;
- (c) claims from the Central Government or State Governments in relation to special rebate on the sale of Handloom clothes as declared

by the Ministry of Textiles (Office of the Development Commissioner for Handlooms) from time to time as a special measure for boosting the sale of Handloom clothes produced in different parts of the country :

Provided that such accrued income, which is not accounted for in the books of accounts, is disclosed by way of a note in the Company's annual accounts.

A copy of this notification has been laid in draft before both the Houses of Parliament as required by sub-section (2) of section 620 of the said Act.

[File No. 1|5|88-CL.V]

V. P. GUPTA, Jt. Secy.

